'सतत विकास के लिए हर हितधारक को शामिल करें'

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

सीआईएमपी परिसर में सोमवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा, सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंह व अन्य।

पटना, मुख्य संवाददाता। सीआईएमपी परिसर में सोमवार को सार्वजनिक प्रबंधन पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ।

जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से सीआईएमपी की ओर से आयोजित सम्मेलन का उद्देश्य बिहार और उसके बाहर सुशासन और स्थानीय विकास को बढ़ावा देना है। इस दौरान जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी और सीआईएमपी के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थानों की ओर से विभिन्न विषयों पर शोध के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम शामिल हैं। उद्घाटन मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल करके राज्य में सहभागी दृष्टिकोण से सतत विकास हासिल किया जा सकता है। जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर चार्ल्स हैंक्ला ने जॉर्जिया यूनिवर्सिटी, अटलांटा, अमेरिका के इंटरनेशनल सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी द्वारा किए गए सार्वजनिक नीति से संबंधित विभिन्न कार्यों के बारे में बात की। प्रोफेसर अंजलि थॉमस ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बारे में बताया। मौके पर जहानाबाद की जिलाधिकारी अलंकृता पांडे, बांका डीएम अंशुल कुमार, भोजपुर जिला की महिला मुखिया, बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस के डॉक्टर सुधांशु ने ने भी विचार रखे।

शाम के सत्र में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के देबराज भट्टाचार्य, फेम यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर युगांक गोयल, सीआईएमपी के निदेशक प्रो. राणा सिंहए संस्थान के मुख्य प्रशासनिक पदाधिकारी कुमोर कुमार व अन्य अफसर मौजूद थे।

Hindustan ! Page No - 06 ! Date - 18-06-2024 !

गांव को सुविधा संपन्न करने से ही राज्य का होगा विकास

- सीआइएमपी और जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी यूके के साथ एमओयू
- शोध के साथ-साथ छात्र-फैकेल्टी कर सकेंगे आदान-प्रदान

सीआइएमपी में सार्वजनिक नीति और प्रबंधन आइसीपीपीएम 2024 पर आयोजित दूसर अतंरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते मुख्य सचिव ब्रजेश महरोत्रा एवं अन्य ● जागरण

जागरण संवाददाता, पटना : गांव के विकास से ही राज्य व देश विकसित बनेगा। बिहार में 80 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है, जिन्हें केंद्र या राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी नहीं है। वर्तमान में बिहार स्वास्थ्य व गरीबी के इंडेक्स में बाटम में खड़ी है। इसको सशक्त बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। ये बातें इंटरनेशनल सेंटर फार पब्लिक पालिसी के निदेशक डा. चार्ल्स आर हैंक्ला ने कहीं।

वह चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूके के सहयोग से सार्वजनिक प्रबंधन पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। कहा कि उन्होंने बिहार के महिलाओं को लेकर स्टडी किया है। यहां के पंचायत सिस्टम को और मजबूत बनाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को लेकर गांवों में जागरूकता नहीं है। इस योजना का लाभ देकर गांव के व्यक्तियों के स्वास्थ्य को बेहतर किया जा सकता है। इस दौरान जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी और सीआईएमपी के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। बिहार के मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बिहार के सुशासन माडल पर बात की और सतत विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल करके राज्य में सहभागी दृष्टिकोण से सतत विकास हासिल किया जा सकता है।

प्रो. अंजलि थामस ने बिहार में स्थानीय शासन से संबंधित अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया। पैनल चर्चा में जहानाबाद के डीएम अलंकृता पांडे ने एकीकृत अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (भाव्या) और स्वास्थ्य प्रणाली में एलएमएस का उपयोग करके लाए गए परिवर्तनों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बांका डीएम अंशुल कुमार ने बांका में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों और सफलता की कहानियों पर बात की। भोजपुर जिला की महिला मुखिया ने ओडीएफ और ओएसआर से संबंधित अपनी चुनौतियों को साझा किया। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत संस्थान के निदेशक प्रो. राणा सिंह ने, संचालन डा. सुधांशु ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीईओ कुमुद ने किया।

Dainik Jagran ! Page No - 04 ! Date - 18-06-2024 !

पंचायत सिस्टम को और मजबूती मिले : डॉ चार्ल्स

सीआइएमपी, जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

संवाददाता, पटना

बिहार में 80% आबादी गांवों में रहती है. गांवों के विकास से ही राज्य व देश विकसित बनेंगे. वर्तमान में बिहार स्वास्थ्य व गरीबी के इंडेक्स में बॉटम में खड़ा है. यहां के पंचायत सिस्टम को और मजबूत बनाने की जरूरत है. पीएमजेएवाइ को लेकर गांवों में जागरूकता नहीं है, जबकि इस योजना गांव के लोगों को काफी लाभ मिल सकता है. ये बातें इंटरनेशनल सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी के निदेशक डॉ चार्ल्स आर हैंक्ला ने कहीं. वह सोमवार को सीआइएमपी में जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूके के सहयोग से सार्वजनिक प्रबंधन पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे. इस सम्मेलन का उद्देश्य बिहार और उसके बाहर सुशासन और स्थानीय विकास को बढ़ावा देना है. इस दौरान जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी और सीआइएमपी के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किये गये. इसमें विभिन्न विषयों पर शोध के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम शामिल हैं.

Prabhat Khabar ! Page No - 05 ! Date - 18-06-2024 !

सीआईएमपी • सार्वजनिक प्रबंधन पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल करने से ही राज्य में सतत विकास होगा

एजुकेशन रिपोर्टर | पटना

समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल करके राज्य में सहभागी दृष्टिकोण से सतत विकास हासिल किया जा सकता है। बिहार के सुशासन मॉडल पर और सतत विकास पर बिहार के मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने सीआईएमपी परिसर में सार्वजनिक प्रबंधन पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान यह बातें कहीं। जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से सीआईएमपी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य बिहार और उसके बाहर सुशासन और स्थानीय विकास को बढ़ावा देना है। इस दौरान जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी और सीआईएमपी के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थानों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध के साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम शामिल हैं।

सार्वजनिक नीति से संबंधित विभिन्न कार्यों के बारे में बात की : जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर चार्ल्स हैंक्ला ने जॉर्जिया यूनिवर्सिटी, अटलांटा, अमेरिका के इंटरनेशनल सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी द्वारा किए गए सार्वजनिक नीति से संबंधित विभिन्न कार्यों पर बात की। प्रोफेसर अंजलि थॉमस ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बारे में बात करते हुए बिहार में स्थानीय शासन से संबंधित अपना शोध प्रस्तुत किया। पैनल चर्चा में जिलाधिकारी जहानाबाद अलंकृता पांडे ने एकीकृत अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (भाव्या) और स्वास्थ्य प्रणाली में एलएमएस का उपयोग करके लाए गए परिवर्तनों के बारे में बताया। अंशुल कुमार डीएम बांका ने बांका में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों और सफलता की कहानियों पर बात की। भोजपुर जिला की महिला मुखिया ने ओडीएफ व ओएसआर से संबंधित चुनौतियों को साझा किया। बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनांस के डॉक्टर सुधांशु ने संचालन किया।

बिहार में स्थानीय लोकतंत्र की चुनौतियों पर बात की : शाम के सत्र में अजीम प्रेमजी विवि के देबराज भट्टाचार्य ने बिहार में स्थानीय लोकतंत्र के लिए चुनौतियां विषय पर प्रस्तुति दी। फ़ेम यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर युगांक गोयल ने बिहार में चुनावी प्रतिस्पर्धा और प्रतिनिधित्व पर दिलचस्प आंकड़ों के जरिए विस्तार से बताया। सम्मेलन के पहले दिन कई शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों ने भाग लिया। कल के सत्र में गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और कृषि जैसे मुद्दों पर कई शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

Danik Bhaskar ! Page No - 05 ! Date - 18-06-2024 !

समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल करने से होगा सतत विकास : मेहरोत्रा

पटना (एसएनबी)। सीआईएमपी परिसर में सार्वजनिक प्रबंधन पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के सहयोग से सीआईएमपी द्वारा आयोजित इस सम्मेलन का उद्देश्य बिहार, उसके बाहर सुशासन और स्थानीय विकास को बढ़ावा देना है। इस दौरान जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी और सीआईएमपी के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थानों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम शामिल है। बिहार के मुख्य सचिव बृजेश मेहरोत्रा ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उन्होंने बिहार के सुशासन मॉडल पर बात की। सतत विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल कर के राज्य में सहभागी दृष्टिकोण से सतत विकास हासिल किया जा सकता है।

■ सीआईएमपी में सार्वजनिक नीति प्रबंधन पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में बोले राज्य के मुख्य सचिव

जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रो. चार्ल्स हैंक्ला ने जॉर्जिया यूनिवर्सिटी, अटलांटा, अमेरिका के इंटरनेशनल सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी द्वारा किये गये सार्वजनिक नीति से संबंधित विभिन्न कार्यों के बारे में बात की। प्रो. अंजलि थॉमस ने जॉर्जिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के बारे में बात करते हुए बिहार में स्थानीय शासन से संबंधित अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया। पैनल चर्चा में अलंकृता पांडेय, जिलाधिकारी जहानाबाद ने एकीकृत अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (भाव्या) और स्वास्थ्य प्रणाली में एलएमएस का उपयोग कर लाये गये परिवर्तनों के बारे में विस्तार से चर्चा की। डीएम बांका अंशुल कुमार ने बांका में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों और सफलता की कहानियों पर बात की। भोजपुर की महिला मुखिया ने ओडीएफ और ओएसआर से संबंधित अपनी चुनौतियों को साझा किया। बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक फाइनेंस के डॉ. सुधांशु ने चर्चा का संचालन किया। शाम के सत्र में अजीम प्रेमजी विवि के देबराज भट्टाचार्य ने बिहार में स्थानीय लोकतंत्र के लिए चुनौतियां विषय पर प्रस्तुति दी। फेम यूनिवर्सिटी में प्रो. युगांक गोयल ने बिहार में चुनावी प्रतिस्पर्धा और प्रतिनिधित्व पर दिलचस्प आंकड़ों के जरिए विस्तार से बताया। सम्मेलन के पहले दिन कई शोधकर्ताओं एवं संकाय सदस्यों ने भाग लिया। मंगलवार के सत्र में गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य, ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और कृषि जैसे मुद्दों पर कई महत्वपूर्ण शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।

Rashtriya Sahara ! Page - 04 ! Date - 18-06-2024 !

गांव के विकास से ही बनेगा राज्य व देश विकसित

सीआइएमपी व जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी यूके के साथ एमओयू- शोध के साथ-साथ छात्र-फैकेल्टी कर सकेंगे आदान-प्रदान

(आज सामाचार सेवा)

पटना। बिहार में 80 प्रतिशत आबादी गांवों में निवास करती है। गांव के विकास से ही राज्य व देश विकसित बनेगा। उन्हें केंद्र या राज्य सरकार के योजनाओं तक की जानकारी नहीं है। सरकार को उनके पॉलिसी को लेकर जनजागरूकता की जरूरत है। वर्तमान में बिहार स्वास्थ्य व गरीबी के इंडेक्स में बॉटम में खड़ी है। इसको सशक्त बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने की जरूरत है। यह बातें इंटरनेशनल सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी के निदेशक डॉ चार्ल्स आर हैंक्ला ने कहीं। वह सोमवार को चंद्रगुप्त प्रबंधन संस्थान पटना (सीआइएमपी) में जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी, यूके के सहयोग से सार्वजनिक प्रबंधन पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन का उद्देश्य बिहार और उसके बाहर सुशासन और स्थानीय विकास को बढ़ावा देना है। कहा कि उन्होंने बिहार के महिलाओं को लेकर स्टडी किया है। यहां का पंचायत सिस्टम को और मजबूत बनाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाइ) को लेकर

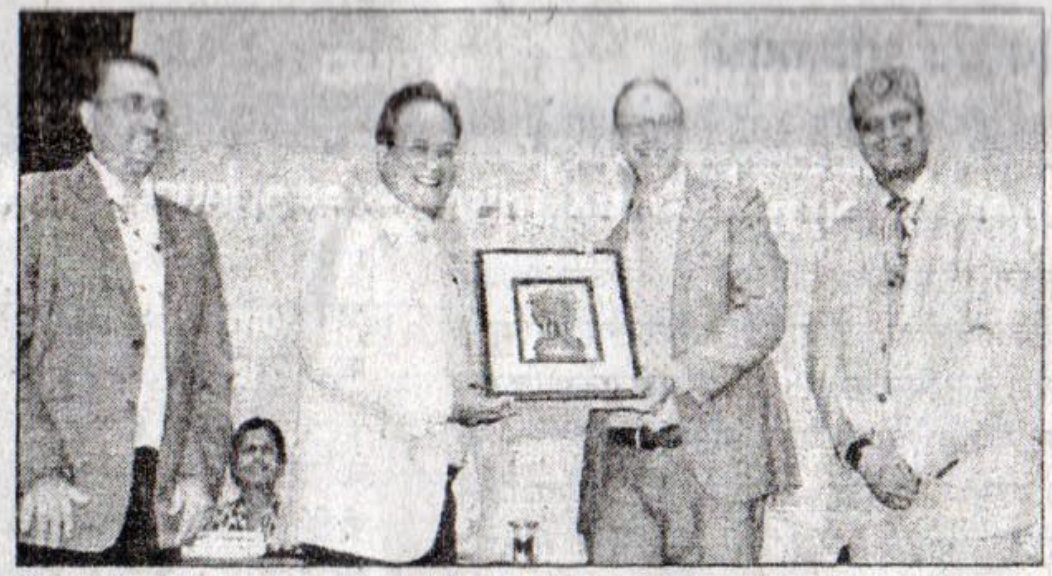

गांवों में जागरूकता नहीं है। जबकि इस योजना का लाभ देकर गांव के व्यक्तियों की स्वास्थ्य को बेहतर किया जा सकता है। इससे स्वास्थ्य इंडेक्स सशक्त होगा, इसके बाद अपने आप गरीबी इंडेक्स बेहतर हो जायेगा। इस दौरान जार्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी और सीआइएमपी के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इसके तहत दोनों शिक्षण संस्थानों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध के साथ-साथ स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम शामिल हैं। बिहार के मुख्य सचिव ब्रजेश मेहरोत्रा ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बिहार के सुशासन मॉडल पर बात की और सतत विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक हितधारक को शामिल करके राज्य में सहभागी दृष्टिकोण से सतत विकास हासिल किया जा सकता है। प्रो अंजलि थामस ने बिहार में स्थानीय शासन से संबंधित अपना शोध अध्ययन प्रस्तुत किया। पैनल चर्चा में जहानाबाद के डीएम अलंकृता पांडे ने एकीकृत अस्पताल प्रबंधन प्रणाली (भाव्या) और स्वास्थ्य प्रणाली में एलएमएस का उपयोग करके लाए गए परिवर्तनों के बारे में विस्तार से चर्चा की। बांका डीएम अंशुल कुमार ने बांका में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों और सफलता की कहानियों पर बात की। भोजपुर जिला की महिला मुखिया ने ओडीएफ और ओएसआर से संबंधित अपनी चुनौतियों को साझा किया। कार्यक्रम में आगत अतिथियों का स्वागत संस्थान के निदेशक प्रो राणा सिंह ने, संचालन डॉ सुधांशु ने, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीइओ कुमुद ने किया।

Aaj ! Page - 05 ! Date - 18-06-2024 !